अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-IV

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2022 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :** वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों।
PO3	**सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :** समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पार्श्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

Course Structure for M .A.-II, Hindi (2022 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
IV	Major (Mandatory)	PAHN241	आधुनिक काव्य 2	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN242	हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN243	हिंदी साहित्य का इतिहास	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN244	लोकसाहित्य	Theory	04
			Total Credits Semester- IV		**16**

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला[M.A.-II] SEMISTER – IV

आधुनिक काव्य-2

PAPER CODE : PAHN-241

SYLLABUS FOR M.A.-2

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Theory**
Course Name	**:आधुनिक काव्य 2**
Course Code	**: PAHN 241**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

उद्देश्य (CourseObjectives) :

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य-अध्ययन की दृष्टि विकसित करना।
3. सर्जनात्मक कौशल से अवगत करना ।
4. आलोचानात्मक दृष्टि विकसित करना।
5. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
6. साहित्यिक समृद्धि और भावनात्मक संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना।
7. समकालीन समाज की समस्याओं, विचारों, भावनाओं से रूबरू करना।

अपेक्षित परिणाम(CourseOutcomes) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य के आधुनिक काव्य से परिचित होंगे।

CO2-हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।

CO3-नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी ।

CO4-आधुनिक कवियों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होंगी ।

CO5-आधुनिक काव्य के अध्ययन से छात्रों को जीवन में मूल्यों का महत्व समझ में आएंगा।

CO6- यथार्थ से परिचित होंगे।

CO7-काव्य के अध्ययन से छात्रों में प्रतिभा बढ़ेंगी।

पाठ्यक्रम

आधुनिक काव्य-2

PAPER CODE : PAHN 241

पाठ्यपुस्तक : 1) 'काव्य सारंग'

संपादक: हिंदी अध्ययन मंडळ, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे,

प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

ईकाई नं.1: **1)** बादल को घिरते देखा - नागार्जुन **15 तासिकाएं**

2) शासन की बंदूक -नागार्जुन

3) मेरी आभा है इसी में - नागार्जुन

4) जन-जन का चेहरा एक - मुक्तिबोध

5) भूल गलती - मुक्तिबोध

उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।

ईकाई नं. 2 :1) असाध्य वीणा - अज्ञेय **15 तासिकाएं**

2) हीरोसिमा - अज्ञेय

3) कनुप्रिया अंश - धर्मवीर भारती

4) ठंडा लोहा - धर्मवीर भारती

5) फिरोजी होंठ - धर्मवीर भारती

उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।

ईकाई नं. 3 : 1) आदिवासी स्त्रियाँ -निर्मला पुतुल **15 तासिकाएं**

2) बूढ़ी पृथ्वी का दुख - निर्मला पुतुल

3) दरवाजा -अनामिका

4) जनम ले रहा है नया पुरुष -अनामिका

5) नमक -अनामिका

उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन ।

ईकाई नं. 4 :1) पेड़ का नाच - लीलाधर मंडलोई **15 तासिकाएं**

2) जानती है सिर्फ नदी - लीलाधर मंडलोई

3) गूंगा नहीं था मैं - जयप्रकाश कर्दम

4) बेमानी है आजादी - जयप्रकाश कर्दम

5) शुक्र है तू नहीं है - जयप्रकाश कर्दम

उक्त रचनाओं कासंवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन ।

******

संदर्भ ग्रंथ:

1.'काव्य सारंग संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

3. काव्य रूप संरचना उद्भव और विकास - सुमन राजे

4. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ - डॉ. निर्मला जैन

5. हिंदी काव्य का स्वरूप और विकास बदलते युग बोध के परिप्रेक्ष्य में - डॉ. प्रेमचंद महेश

6. संसद से सड़क तक और गोलपीठा - प्रा. अनंत केदारे

7.नई कविता- डॉ मानसिंह वर्मा

8. समकालीन हिंदी कविता- रवीद अमर

9. नई कविता की प्रबंधचेतना - डॉ महावीरसिंह चौहान

10. नया हिंदी काव्य और विवेचन-शंभुनाथ चतुर्वेदी

11.तीसरा सप्तक - अज्ञेय

12. आधुनिक हिंदी काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन- डॉ बनवारीलाल द्विवेदी

13. आधुनिक खंडकाव्यों में युगचेतना - डॉ एन डी पाटील

14. नागार्जुन के काव्य का अनुशीलन - डॉ. पूनम बोरसे

******

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - IV) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN241

Tittle of Course : आधुनिक काव्य-2

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1									
CO 2			3		3				
CO 3		3							
CO 4									
CO 5			2	2		3			
CO 6						3			
CO 7					2	3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO3- नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी ।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO2- हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।

CO5- आधुनिक काव्य के अध्ययन से छात्रों को जीवन में मूल्यों का महत्व समझ में आएंगा।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO5- आधुनिक काव्य के अध्ययन से छात्रों को जीवन में मूल्यों का महत्व समझ में आएंगा।

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO2- हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।

CO7- काव्य के अध्ययन से छात्रों में प्रतिभा बढ़ेंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO5- आधुनिक काव्य के अध्ययन से छात्रों को जीवन में मूल्यों का महत्व समझ में आएंगा।

CO6- यथार्थ परिवेश से छात्र परिचित होंगे।

CO7- काव्य के अध्ययन से छात्रों में प्रतिभा बढ़ेंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला[M.A.-2] SEMISTER – IV

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

PAPER CODE : PAHN-242

SYLLABUS FOR M.A.-II

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Theory**
Course Name	**:हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास**
Course Code	**: PAHN 242**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. आधुनिक आर्य भाषाओं का परिचय देना ।
3. बोलियों का वर्गीकरणका परिचय देना।
4. हिंदी की लिपि विज्ञानसे अवगत करना।
5. हिंदी भाषा के योगदान से अवगत करना।
6. छात्रों के शब्द भंड़ार में वृध्दि करना।
7. हिंदी की संस्थाओं से परिचित कराना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्रों को हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय देना।

CO2-आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनके वर्गीकरण से अवगत कराना। ।

CO3-भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना।

CO4-हिंदी बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित कराना।

CO5-हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप और विकास की जानकारी देना।

CO6-लिपि विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।

CO7-हिंदी हिंदी प्रचार एवं प्रसार करना।

पाठ्यक्रम

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

PAPER CODE :PAHN 242

ईकाई नं.1: हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : **15 तासिकाएं**

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ - वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत।

मध्यकालीन आर्य भाषाएँ पालि, प्राकृत, शौरसेनी, पैशाची, महाराष्ट्री, अर्धमागधी, मागधी।

ईकाई नं. 2 :आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : **15 तासिकाएं**

बंगाली, असमिया, उडिया, हिंदी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, गढ़वाली मराठी।

ईकाई नं. 3 :लिपि विज्ञान : लिपि का उद्भव और विकास, **15 तासिकाएं**

खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि।

देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास देवनागरी लिपि की विशेषताएं।

ईकाई नं. 4 :हिंदी प्रसार के आंदोलन : प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं **15 तासिकाएं**

का योगदान, राजभाषा के रूप में हिंदी, राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

******

संदर्भ ग्रंथ:

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान - डॉ. राजमल बोरा
3. भाषा विज्ञान की भूमिका सैद्धांतिक विवेचन- डॉ देवेंद्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. त्रिलोचन पांडेय
5. भाषा विज्ञान सैद्धांतिक विवेचन - रवींद्र श्रीवास्तव
6.भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव दद्विवेदी
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. केशवदेव रूपाली
9. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत
10. भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
11. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
12. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह

******

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - IV) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN242

Tittle of Course : हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1	Ã	Ã				Õ			
CO 2				Ã					
CO 3									
CO 4	Ã	À				Õ			
CO 5									
CO 6					Õ			Õ	
CO 7			Ã		Õ	Ã			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO1- छात्रों को हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय होंगे।

CO4- हिंदी बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित होंगे।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO1- छात्रों को हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय होगा।

CO4- हिंदी बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO7- हिंदी का प्रचार एवं प्रसार करने में सक्षम होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO2- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनके वर्गीकरण से अवगत होंगे।

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO6- लिपि विज्ञान की उपयोगिता के बारे में अवगत होंगे।

CO7- हिंदी का प्रचार एवं प्रसार करेंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO7- हिंदी का प्रचार एवं प्रसार करेंगे।

CO1- छात्रों को हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय प्राप्त होगा।

CO4- हिंदी बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO6- लिपि विज्ञान की उपयोगिता के बारे में अवगत होंगे।

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला[M.A.-2] SEMISTER – IV

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

PAPER CODE :PAHN-243

SYLLABUS FOR M.A.-2

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**: PAHN**
Class	**:** M.A. -II
Semester	**:** IV
Course Type	**: Theory**
Course Name	**:हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)**
Course Code	**PAHIN-243**
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

A) **उद्देश्य (Course Objectives)**:

1. हिंदी गद्य के उदभव और विकास से छात्रों को अवगत कराना |
2. द्विवेदीयुग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों रंचनाकारों से परिचित कराना |
3. ऐतिहासिकदृष्टि विकसित करना।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास के उपन्यास और कहानी का परिचय कराना |
5. हिंदी के नाटक और रंगमंच के विविध प्रकारों से अवगत कराना |
6. विभिन्न गद्य विधाओं का परिचय कराना |
7. हिंदी साहित्य के विविध काव्य से परिचित कराना |

B) **अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :**

CO1- छात्र हिंदी गद्य के विकास से परिचित होंगे।

CO2- छात्र हिंदी साहित्य और इतिहास के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO3- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO4-छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास के महत्व से परिचित होगें।

CO5-छात्र हिंदी के नाटक और रंगमंच के विविध प्रकारों से अवगत होंगे |

CO6-छात्र विभिन्न गद्य विधाओं से परिचित होंगे |

CO7- छात्रों में हिंदी साहित्य के विविध काव्य के दृष्टि से विकसित होगी।

पाठ्यक्रम

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

PAPER CODE :PAHN-243

ईकाई नं.1: 1. हिंदी गद्य का उद्भव और विकास: 15 तासिकाएं
2.भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य का सामान्य परिचय|
3. हिंदी उपन्यास का विकास:प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग
4. हिंदी कहानी का विकास :प्रसादपूर्व युग, प्रसादयुग, प्रसादोत्तर युग

ईकाई नं.2:1. हिंदी नाटक और रंगमंच का उदभव और विकास : 15 तासिकाएं
प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग |
2. हिंदी निबंध का इतिहास: शुक्ल पूर्व युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग |
3.हिंदी की अन्य गद्य विधाएं- एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रासाहित्य, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज |

ईकाई नं.3: 1. आधुनिक काव्य का विकास 15 तासिकाएं
2. भारतेंदु युगीन काव्य
3. द्विवेदी युगीन काव्य
4. छायावादी युगीन काव्य

ईकाई नं.4: 1. प्रगतिवादी काव्य 15 तासिकाएं
2. प्रयोगवादी काव्य
3. नई कविता
4. साठोत्तरी कविता

*****

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गंपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
8. हिंदी साहित्य का आतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

*****

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - IV) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN243

Tittle of Course : हिंदी साहित्य का इतिहास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1									
CO 2		Ã							
CO 3	Õ					Õ		Õ	
CO 4									
CO 5			Õ			Ã			
CO 6									
CO 7				Õ					
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO3- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO2- छात्र हिंदी साहित्य और इतिहास के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO5- छात्र हिंदी के नाटक और रंगमंच के विविध प्रकारों से अवगत होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO7- छात्रों में हिंदी साहित्य के विविध काव्य सृजन की दृष्टि विकसित होगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO3- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO5- छात्र हिंदी के नाटक और रंगमंच के विविध प्रकारों से अवगत होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO3- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

.....

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला[M.A.-II] SEMISTER – IV

लोकसाहित्य

PAPER CODE :PAHN-244

SYLLABUS FOR M.A.-II

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**: PAHN**
Class	**:** M.A. -II
Semester	**:** IV
Course Type	**: Theory**
Course Name	**:लोकसाहित्य**
Course Code	**: PAHIN-244**
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

A) उद्देश्य (CourseObjectives):

1. लोकसाहित्य के स्वरुप एवं महत्व से परिचित कराना |
2. लोकसाहित्य के विविध प्रकारों से अवगत कराना |
3. लोकसाहित्य की व्यापकता से परिचित कराना |
4. महाराष्ट्र के लोकसाहित्य का परिचय देना |
5. लोकनाट्य के विविध प्रकारों से अवगत करना |
6. संकलन एवं लोककथा की विभिन्न पद्धतियों से परिचित करना |
7. लोकभाषा और लोकसंगीत की विविधता से अवगत करना |
8. दैनंदिन जीवन में आनेवाले लोकसाहित्यसे परिचित करना |

B) अपेक्षित परिणाम (CourseOutcomes) :

CO1- छात्र लोकसाहित्य के महत्व से परिचित होंगे।

CO2- छात्रलोकसाहित्य के प्रकारों से अवगत होंगे।

CO3- छात्र लोकसाहित्य की व्यापकता को समीक्षात्मक दृष्टि से परिचित होंगे|

CO4-छात्र महाराष्ट्र के विविध लोकसाहित्य से परिचित होगें।

CO5- छात्र लोकनाट्य के विविधता से परिचित होंगे |

CO6- छात्र संकलन और लोककथा की पद्धतियों से परिचित होंगे |

CO7- छात्रों में लोकसाहित्य की विभिन्न पराकारों से अवगत होंगे |

पाठ्यक्रम

लोकसाहित्य

PAPER CODE :PAHN-244

ईकाई नं.1: लोकसाहित्य की परिभाषा, स्वरुप एवं विशेषताएं, 15 तासिकाएं
लोक संस्कृति और साहित्य, लोकसाहित्य का महत्त्व|
भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन का इतिहास|

ईकाई नं.2: लोक साहित्य संकलन: उद्देश्य,संकलन की पद्धतियाँ, 15 तासिकाएं
संकलन कर्ता की समस्याएं तथा समाधान |

ईकाई नं.3: लोक - गीत : संस्कार, व्रत, श्रम, रुतु, जाति | 15 तासिकाएं
लोकनाट्य: रामलीला, रासलीला, किर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, जात्रा |
महाराष्ट्र का लोकनाट्य: तमाशा, गोंधळ, लावणी, पोताराज, सुंबरन, वासुदेव,
भारुड, लळीत,दशावतार, पोवाडा, कीर्तन |

ईकाई नं.4: लोक - कथा :व्रत कथा, परी कथा, नाग कथा, बोध कथा, 15 तासिकाएं
कथानक रूढीयाँ |
लोकसंगीत: लोक वाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें |
लोकभाषा: लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावते,पहेलियाँ |

*****

संदर्भ ग्रंथ:

1. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार
2. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्ण देव उपाध्याय
3. लोकसाहित्य की भूमिका - पं रामनरेश त्रिपाठी
4. महाराष्ट्र की हिंदी लोककला - कृ. ग. दिवाकर
5. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति - दिनेश्वर प्रसाद
6. पारंपरिक भारतीय रंगमंच - कपिला वात्स्यायन, अनु. बरीउज्जया
7. लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येद्र
8. लोकसाहित्य एवं लोकसंस्कृति : परंपरा की प्रासंगिकता एवं सामाजिक परिप्रेक्ष - सं. वीरेंद्रसिंह

.....

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - III) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN244

Tittle of Course : लोकसाहित्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1				Ã		Õ			
CO 2			Õ						
CO 3	Õ					Ã		Õ	
CO 4					Õ				
CO 5									
CO 6		Õ			Õ				
CO 7					Õ				
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO3- छात्रों में लोकसाहित्य की व्यापक समीक्षात्मक दृष्टि अवगत होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO6- छात्र संकलन और लोककथा की पद्धतियों से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO2- छात्र लोकसाहित्य के प्रकारों से अवगत होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO1- छात्र लोकसाहित्य के महत्व से परिचित होंगे।

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO4- छात्र महाराष्ट्र के विविध लोकसाहित्य से परिचित होगें।

CO6- छात्र संकलन और लोककथा की पद्धतियों से परिचित होंगे।

CO7- छात्रों में लोकसाहित्य की विभिन्न प्रकारों से अवगत होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- छात्र लोकसाहित्य के महत्व से परिचित होंगे।

CO3- छात्रों में लोकसाहित्य की व्यापक समीक्षात्मक दृष्टि अवगत होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO3- छात्रों में लोकसाहित्य की व्यापक समीक्षात्मक दृष्टि अवगत होंगी।